Raga of the Month May 2022 Raga Shankarakaran

राग शंकराकरण

कल्याण, भैरव, सारंग, मल्हार, कानडा, तोड़ी, बहार आदि रागोंके मिश्रणसे बने रागों से हम परिचित हैं। मगर उसी तरह राग शंकरा का मूल स्वरूप रखते हुए उससे बने हुए अनेक जोड़ राग हैं। मगर राग शंकराके ये अलग जोड़ राग-प्रकार मैफिलोंमे क्वचितहि गाये जाते हैं। अगले कुछ भागोंमें हम शंकरा के ऐसे जोड़-राग सुनेंगे। अप्रैल महिनेमे हमने राग शंकराबिहाग/ शंकराबरन का परिचय कर लिया और उस रागके गायनके नमुने सुने। आज हम राग शंकराकरण सुनेंगे।

यह राग ग्वालियर घराने के गायकों में अधिकतर गाया जाता था। इस रागमे राग शंकराको यमन का जोड़ दिया है। यह राग बीसवीं शताब्दीके पूर्वार्धमे सुनने में आता था।

राग शंकराके अनेक जोड़ रागोंका निर्माण बुजुर्ग गायकोंने किया है- वे हैं :

शंकराबिहाग / शंकराबरन- ग्वालियर घराना परंपरा - शंकरा और बिहागका जोड़ ;

शंकराकरण- ग्वालियर घराना परंपरा - शंकरा और कल्याणका जोड़ ;

शंकराहरण- ग्वालियर घराना परंपरा - शंकरा और हमीरका जोड़;

गौरीशंकर - (आचार्य श्री ना रातंजनकर निर्मित - शंकरा और गौरीका जोड़;

शिवतिलक - (पंडित गोविन्द नारायण नातू निर्मित)- शंकरा और तिलककामोदका जोड़;

शंकरानन्द- (पंडित छोटा गन्धर्व निर्मित)- शंकरा और नन्दका जोड़;

बसंतीशंकरा - (पंडित छोटा गन्धर्व निर्मित)- शंकरा और बसंतका जोड़;, इत्यादि।

राग शंकराकरणकी विशेष स्वर संगतियाँ इस प्रकार है।

सा ग प , ग प ध प , नि ध प , सा ग मं ध , मं ध सां, नि ध प , मं ध प ग , ग प ग रे सा

राग शंकराकरण में आज के ऑडियो में हम आचार्य रातंजनकरने रची हुई दो बंदिशे सुनेंगे। पहली विलम्बित बंदिश " काहू को रिझावत हो " और दूसरी द्रुत बंदिश " जा रे जा रे जा रे पतंगवा " पंडित के जी गिंडेजीने गायी हुई है और वही बंदिश पंडित बालासाहेब पूछवालेजीने गायी हुई है।

आभार-पंडित यशवंत महाले;

०१-०५ -२०२२

Link to the list of 120+ Raga of the month articles

@ Archive of ROTM Articles - http://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx